

धीरे-धीरे बालक बढने लगा। उसका छोटा भाई शिबू भी मां की गोद में आ चुका था—



भगवती प्रसाद:- रामप्यारी तुम्हें कुछ दिन मायके में रहना होगा। मैं घर के कुछ सदस्यों के साथ अपनी नौकरी वाले स्थान जलेसर में रहूँगा। पारिवारिक स्थिति ठीक होते ही तुम्हें बुला लूँगा।

